हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 38.2 डिग्री
न्यूनतम 21.1 डिग्री

11 सरकार कर रही मांगों की अनदेखी, एक मई को ...

12 पीजीआईः नेत्र रोगों के प्रति लोगों को करें जागरूक

शहर में आज

- मानसरोवर पार्क से लघु सचिवालय तक पानी को लेकर इंडिया का प्रदर्शन सुबह 10 बजे से
- नगर निगम द्वारा वार्ड-12 की तिलक नगर धर्मशाला और वार्ड-13 के ओमकारेश्वर मंदिर, झंग कॉलोनी में कैंप लगाए जाएंगे
- शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 11.30 बजे से
- भिवानी स्टैंड पर सिमरन ररेस्टोरेंट में श्री गुरुतेगबहादुर के प्रकाश पर्व पर लंगर सुबह 11 से 4 बजे तक

बिजली कट

- सुबह 8 से 11 बजे तक

सेक्टर-1, सेक्टर-2 , तिलक नगर, शिला बाईपास, वाटर वर्क्स, तिलयार फीडर, सेक्टर-2 मार्केट, सेक्टर-2-3 पार्ट, और माइक्रोन इंडस्ट्री फीडर। आप सभी से बिजली बंद होने के दौरान संयम बनाए रखने की अपील की जाती हैं

कंठ सूखे, शहर में पानी को लेकर उबाल

कहीं, 20-25 साल पुरानी पेयजल पाइपलाइन, तो कहीं दो साल से आ रहा प्रदूषित पानी, आज सड़क पर उतरेगी जनता

- कई बार शिकायतों के बाद भी सुनवाई नहीं होने पर लोगों में पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों के प्रति रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कहीं, पेयजल पाइप लाइन 20-25 साल पुरानी हैं तो कहीं वर्षों से दूषित पानी सप्लाई हो रहा है। मॉडल टाउन, डीएलएफ, मानसरोवर कॉलोनी, विकास नगर, लक्ष्मी नगर, जसबीर कॉलोनी, कबीर कॉलोनी, तिलक नगर, बाबरा मोहल्ला, चिन्योट कॉलोनी, श्रीनगर कॉलोनी, विजय नगर, जति मोहल्ला, अनाज मंडी, गोपाल कॉलोनी, प्रताप चौक, टेक नगर, तेज कालोनी, अशोक नगर, कमला नगर सहित दो दर्जन से ज्यादा क्षेत्रों में दूषित पेयजल पीकर लोग बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। कई जगह लाइन 20 से 25 साल पुरानी होने की वजह से जर्जर हो गई तो कहीं निजी कंपनियों ने सड़कों की खुदाई करवाकर लाइन डैमेज कर दी हैं। इस वजह से दूषित पेयजल की समस्या बढ़ रही हैं। कलाना मोहल्ले के लोगों ने 2 साल से साफ पानी देखा ही नहीं। बार-बार शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हो रहा। चुनावी मौसम है तो अब पानी पर उबाल आने लगा है। स्वच्छ पानी की मांग को लेकर सोमवार को लोग सड़क पर उतरेंगे।

रोहतक। कलाना मोहल्ला के लोग दूषित पेयजल दिखाते हुए।

बोतल में भरा गया जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्लाई किया गया पानी।

कलाना मोहल्ला में दो साल से दूषित पेयजल की समस्या

किला रोड स्थित कलाना मोहल्ला में लम्बे समय से दूषित पेयजल की समस्या बनी हुई है। इसके बारे में विभाग को शिकायतें की गई हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो पा रही। कलाना मोहल्ला निवासी सुरेश कुमार विज ने बताया कि पिछले 2 साल से उनके एरिया में दूषित पेयजल आ रहा है। जिसके चलते तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने बताया कि वे इसकी शिकायत कई बार कर चुके हैं लेकिन इस समस्या का कोई हल नहीं निकल पा रहा। वे इसकी शिकायत सीएम विंडो पर भी कर चुके हैं और इस बात को एक महीना बीत गया लेकिन अभी तक इसका कोई समाधान नहीं किया गयगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द समस्या का निवारण करवाया जाए।

रविवार को अल्टीमेटम खत्म

शहर में कई कॉलोनियों में दूषित पेयजल की सप्लाई का मामला ठंडा पड़ने का नाम नहीं ले रहा। तीन दिन पहले कांग्रेस विधायक ने गंदे पानी की सप्लाई के विरोध में सोमवार तक का अल्टीमेटम देते हुए प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। रविवार को समय समाप्त होने पर कांग्रेस द्वारा नेताओं द्वारा आंबेडकर चौक पर प्रदर्शन किया जाएगा। उनके साथ कम्युनिस्ट पार्टी सहित अन्य संगठनों के सदस्य भी प्रदर्शन में शामिल होंगे। हालांकि जन स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि अधिकतर शिकायतों पर कार्रवई शुरू हो चुकी है।

डीसी ने दिए थे समाधान के आदेश

शनिवार को ही मामला संज्ञान में आने के बाद जिला उपायुक्त अजय कुमार ने पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की मीटिंग लेकर शिकायतों पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। उन्होंने मॉडल टाउन और डीएलएफ की शिकायतों पर सम्बंधित अधिकारियों से रिपोर्ट ली थी। इसके अलावा दूषित पेयजल की शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने के आदेश दिए थे।

यह है मामला

तीन दिन पहले ही कांग्रेस के शहरी विधायक बीबी बत्रा ने दो दर्जन कॉलोनियों में दूषित पेयजल की सप्लाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जिससे वे बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने कॉलोनियों के नाम भी जारी किए थे। साथ ही जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया था कि सोमवार तक पानी की समस्याएं दूर न हुई तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कम्युनिस्ट पार्टी ने भी प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

आशा हुड्डा करेंगी प्रदर्शन का नेतृत्व

इंडिया गठबंधन द्वारा सोमवार सुबह दस बजे प्रदर्शन किया जाएगा। मानसरोवर पार्क से उपायुक्त कार्यालय तक प्रदर्शन होगा, जिसका नेतृत्व पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की धर्मपत्नी आशा हुड्डा करेंगी। उनके साथ अनेक नागरिक संगठन और कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा, कलानौर विधायिका शकुंतला खटक, सीपीएम नेता डॉ जगमति सांगवान व आम आदमी पार्टी के नेता लवलीन टुटेजा आदि शामिल रहेंगे।

विभाग का सहयोग करे आमजन

दूषित पेयजल की जो भी शिकायत उनके पास आती है उस पर प्राथमिकता से कर्मचारियों को काम पर लगा दिया जाता है। आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाती। इसके अलावा वे खुद अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही करवा रहे हैं। लोगों को भी संयम रखते हुए जन स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करना होगा ताकि शिकायतों पर जल्द समाधान हो सके। इस समय एक बार पानी की सप्लाई दी जा रही है। जहां पानी नहीं पहुंचता वहां टैंकर भेज कर व्यवस्था करवा दी जाएंगी। **-राजेश रोहिल्ला, एसडीओ, पब्लिक हेल्थ**

छुट्टियों के मिट्टी के खिलौने बनाने का देते थे काम

पहले टीचर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को गिनती सिखाने के लिए 100 गारा मिट्टी की गोलियां बनाने का काम देते थे। इससे बच्चों को गिनती का अभ्यास हो जाता था। साथ ही कुत्ते, घोड़े और हाथी आदि बनाने के लिए कहा जाता था। गर्मियों में कॉपियों में कलम से सुलेख लिखने का काम दिया जाता था।

बदल गया शिक्षा का स्वरूप, आज के विद्यार्थी नहीं जानते कलम और दवात

पहले ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

शिक्षा | राज कुमार नरवाल

पहले बचपन और तनाव का कोई संबंध नहीं था। बच्चे दिनभर हंसते, खेलते-कूदते और खिलखिलाते हुए दिखाई देते थे। उनको न होम वर्क की चिंता होती थी और न कपड़े गंदे होने का भय। क्योंकि आज से तीन दशक पहले तक प्रदेश में शिक्षा का स्वरूप ही अलग होता था। ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढ़ाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। उस समय जुराब, टाई, बेल्ट और जूते पहनने का कोई बंधन नहीं था। बच्चे बाथरूम चप्पल पहनकर ही स्कूल जाते थे। बच्चों की सुंदर लिखावट बनवाने के लिए तख्ती का प्रयोग किया जाता था। टीचर उस तख्ती पर पेंसिल के साथ टुटकने या कच्चे अक्षर निकालते थे। टीचर द्वारा लिखे हुए उन टूटकनों पर बच्चे कलम से लिखते थे। बच्चों से इस तरह लिखने का अभ्यास करवाया जाता था। काले रंग की एक पुड़िया आती थी। बच्चे एक दवात में थोड़ा पानी डालते थे और उसमें उस पुड़िया को मिला लेते थे। इस तरह काली स्याही तैयार हो जाती थी। उसके बाद बच्चे कलम से दवात में से स्याही लेते थे और तख्ती पर लिखते थे। गणित के सवाल निकालने के लिए बच्चे पत्थर की स्लेट का प्रयोग करते थे। कुछ बच्चे गत्ते की स्लेट भी ले आते थे। लेकिन पत्थर की स्लेट ही गणित के सवाल निकालने के लिए कारगर होती थी। इससे कागज की बचत होती थी। इस स्लेट पर बत्ती के साथ लिखा जाता था। बच्चे बत्ती से स्लेट पर बार बार अभ्यास करते थे। जिससे सवाल व गणित के फार्मूले आसानी से याद किए जाते थे। स्लेट व तख्ती होने की वजह से माता पिता का कापियों का खर्च बच जाता था।

लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट से पढ़ना हुआ आसान

हरियाणा प्रदेश ने बीते कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। नई शिक्षा पद्धति के जहां कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। वहीं शिक्षा में बहुत सुधार भी हुआ है। पहले ज्यादातर बच्चों के पास डिक्शनरी नहीं होती थी। किसी शब्द का हिंदी व अंग्रेजी अर्थ जानना होता तो बच्चों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बीच में स्कूल की छुट्टी आ जाती तो स्कूल खुलने पर ही टीचर से उसका अर्थ जान पाते थे। लेकिन अब इंटरनेट का जमाना आ जाने के बाद तुरंत बच्चे अपने मोबाइल फोन पर किसी भी समस्या का समाधान तुरंत ढूंढ लेते हैं। हर तरह के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र व अन्य विषयों के फार्मूले या जानकारी झट से मोबाइल पर मिल जाती है। अब तो घर बैठकर भी पढाई की जा सकती है। कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हो जाने पर भी बच्चे अध्यापकों के संपर्क में रहे और ऑन लाइन क्लास चलती रही। लेकिन पहले ऐसा संभव नहीं था। अखबार, इंटरनेट, टेलिविजन और मोबाइल फोन आ जाने के बाद बच्चे बहुत कुछ सीख रहे हैं। मोबाइल फोन की वजह से पूरी दुनिया विद्यार्थियों की मुट्ठी में आ गई है। आज के बच्चे पहले के बच्चों से अधिक बुद्धिमान हैं और अंक भी अधिक हासिल कर रहे हैं। लेकिन मोबाइल फोन व इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट से जहां बहुत कुछ सीखा जा रहा है, वहीं बच्चे कुछ गलत चीजें भी देख रहे हैं, जिसका नुकसान भी हो रहा है।

काली स्याही से लिखी तख्ती को पानी से बच्चे खुद धोते थे। जब लिखे गए अक्षर तख्ती पर रह जाते तो उस तख्ती को पोतने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किया जाता था। बच्चे खुद ही तख्ती पोतते थे। इससे उनमें खुद का काम खुद करने की आदत पैदा होती थी। अध्यापक बच्चों को गिनती व पहाड़े याद करवाने के लिए ऊंची आवाज में अभ्यास करवाते थे। स्कूल में बच्चे जब ऊंची आवाज में गिनती या पहाड़े याद करते थे तो दूर दूर तक पता चलता था कि स्कूल में जोर शोर से पढ़ाई चल रही है। ज्यादातर बच्चे अगली क्लास के पास हुए बच्चों से सेकेंड हैंड (पुरानी) किताबें खरीद लेते थे। पेंट, शर्ट, टाई, बैल्ट, बैग और भारी भरकम किताबों का खर्च उस समय नहीं होता था। अभिभावकों को मोटी फीस भी नहीं देनी पड़ती थी। उस जमाने में न स्कूल बस का किराया देना होता था और न ही माता पिता को लंच बॉक्स पैक करने का झंझट था। बच्चे आधी छुट्टी में घर आकर ही दोपहर का खाना खा जाते थे और पशुओं को बाहर भीतर बांधने व पशुओं को पानी पिलाने आदि के छोटे मोटे काम भी कर जाते थे। स्कूल के लिए बच्चों को बैग की जगह पर यूरिया व डीएपी खाद के प्लास्टिक के कट्टे का एक झोला सीलकर दे दिया जाता था व एक खाद का कट्टा उसमें और डाल दिया जाता था। ताकि वह क्लास में बैठने के लिए जमीन पर बिछाने के काम आ जाए। यह झोला जल्दी फटता नहीं था और वर्षों तक चलता था। उस समय बच्चों पर होम वर्क का दबाव नहीं होता था। अध्यापक ज्यादातर काम स्कूल में ही याद करवा देते थे। घर पर करने के लिए बच्चों को कम ही काम दिया जाता था। स्कूलों में शिक्षक खेलों पर विशेष ध्यान देते थे। बच्चों को परिश्रम करने की ट्रेनिंग विद्यालय में पढाई के दौरान ही दे दी जाती थी। जब भी विद्यालय में निर्माण चलता तो ईंट ढोने का काम भी बच्चों से करवाया जाता था। पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी।

बहुत खुला होता था स्कूलों का वातावरण

पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी। ताकि बच्चे आलसी न बनें। बच्चे तनाव मुक्त व परिश्रमी होते थे, तो उनका स्वास्थ्य भी सही रहता था। उस जमाने में बच्चे हटपुष्ट होते थे। स्कूलों का वातावरण भी बहुत खुला व हवादार होता था। स्कूलों में तरह तरह के पेड़ पौधे लगे होते थे। इनमें कई फलदार पेड़ भी होते थे। बच्चे इन पेड़ों से मौसमी फल खाते थे। उन दिनों सरकारी स्कूलों के पास स्थित खेतों में भी बाग होते थे। इन बागों में भी बच्चों को खाने के लिए फल मिलते थे। ईंख के गन्ने और गुड़ बनाने के कोल्हू भी विद्यालयों के आस पास ही मिले जाते थे।

बच्चों पर तनाव और अभिभावकों पर बढ़ गया खर्च

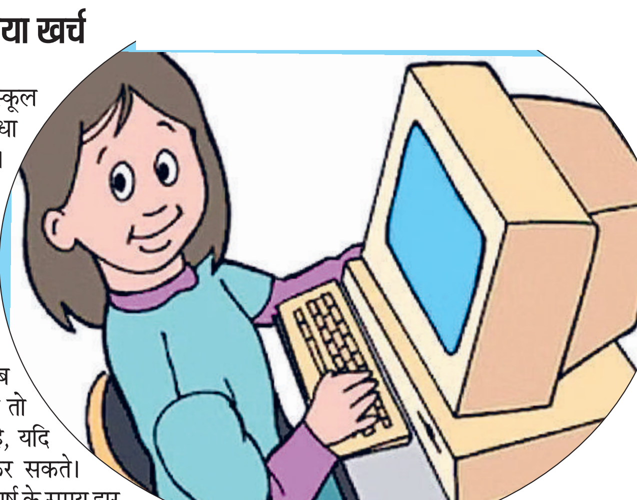

जब से शिक्षा का निजीकरण हुआ है। तब से प्रत्येक गांव में प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं। प्राइवेट स्कूलों की आपस में चल रही प्रतिस्पर्धा का सीधा असर बच्चों के मन मस्तिष्क व अभिभावकों की जेब पर पड़ा है। स्कूल प्रबंधक महंगी किताबें खरीदते हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बच्चों के लिए वही किताबें खरीदकर लाते हैं जिन पर पुस्तक विक्रेता या पब्लिसर अधिक छूट देता है। ज्यादा सिलेबस होगा तो पुस्तकें भी अधिक होंगी। पुस्तक अधिक होंगी तो कमाई भी ज्यादा होगी। जिस वजह से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ता जा रहा है। बचपन भारी बस्तों के बोझ के तले दब गया है। पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान सिखाया जाता था। कम खर्च में गरीब आदमी भी अपने बच्चों को पढ़ा सकता था। यदि नौकरी न मिलती तो बच्चे परिश्रम करके कमा खा सकते थे। अब पढाई ऐसी हो गई है, यदि नौकरी न मिले तो बच्चे शारीरिक श्रम वाला काम भी नहीं कर सकते। आरामदायक जीवन शैली की वजह से वर्तमान में युवक युवतियां संघर्ष के समय हार जाते हैं। बहुत तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। पहले स्कूलों में पढ़ाई के साथ साथ काम करना और बड़े बूढ़ों की सेवा करना सिखाया जाता था। वर्तमान समय में स्कूलों में बच्चे पेंट, शर्ट, टाई व बेल्ट का प्रयोग करते हैं। जबकि पहले खुले कपड़े पहनने का रिवाज था। वेद, पुराणों और नैतिक शिक्षा की बात सिखाने के लिए संस्कृत पढाई जाती थी। लेकिन अब स्कूलों में संस्कृत अनिवार्य विषय नहीं रहा। बच्चों को कला सिखाने के लिए ड्राइंग पढाई जाती थी। लेकिन अब यह विषय भी जरूरी नहीं रहा।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

यो कैसा खेल दिखाया

यो कैसा खेल दिखाया सै, यो मैं जाणू या वो जाणै ।
नर नारी जगत रचाया सै, यो जग जाणै या वो जाणै ।।टेक ।।

खुद नै आकाश बणाया सै, आकाश म्ह स्वयं समाया सै ।
फिर पाणी पवन रचाया सै, अग्नी का गेड़ा लाया सै ।
धरती आधार बणाया सै, खुद धरण रूप धर आया सै ।
यह माया खेल रचाया सै, भगत जाणताया वो जाणै।

पाँचाँ नै गेड़ा लाया सै ,फिर चोला एक बणाया सै ।
उस चोले को अप णाया सै , तूँ चोले बीच समाया सै ।
पर नजर कदे ना आया सै, यो मोह का कुंडा लाया सै ।
यो दल दल लोभ बणाया सै, मैं धसता जाता वो जाणै।

हाँगा पूरा मनै ला लिया, के अहं डोब दे चोडै ना।
तृष्णा पड़गी मेरे गेल्यां, के पागल मनवा दौड़े ना।
मृगतृष्णा मह मनुवा फस ग्या, वो भाज्या जावैबोहडै ना।
वो नेह प्रीत नै तोड़ै ना, मैं ना जाणू वो खुद जाणै।

जीव को कहते अंश तेरा, क्यूँ जीव रूप मैं आया सूँ।
पत्नी पुत्र पोत्र पोत्री, क्यूँ ममता बीच फ़साया सूँ।
अपणे तन तैं न्यारा कर कें, क्यूँ भँवरी बीच धकाया सूँ।
मैं जर तैं नहीं अघाया सूँ, मैं खुद ना जाणू वो जाणै।

चौथापण नासोधी आई, क्यूँ मरता फिरूँतिसाया सूँ।
रै न्यू करले तूँ न्यू करले, लोगाँ नै खूब भकाया सूँ।
इत सतरह बीच फसा कें प्रभु ,जग कोठे मैं भरमाया सूँ।
इत खाली हाथा आया सूँ , यह मैं जाणूअर तूँ जाणै।

पूजा और चढ़ावा कोनीं, मैं हिम्मत कर दर आया सूँ।
प्रभु मेरा इत कुछ बी ना सै, मैं पेट दिखाणे आया सूँ।
जग झंझट को छोड़ छाड़ अब, मुंशीरामशरण आया सूँ।
बन्धु मैं अश्रु जल ल्याया सूँ, अब गुरु जाणै या वो जाणै।

गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जय श्री राम

सिया राम, सिया राम, सिया राम,
नाम लिए मन में धार, हो जाएगा तेरा उद्धार
सच्चे दिल से राम पुकार, राम है सबके सृजनहार
अपना मन लिए थाम, सिया राम, सिया राम

विष्णु जी के ये अवतार आये मृत्युलोक देहधार
भगतों पर करते उपकार दुष्टों का करे संहार
दिन और रात आठों याम सिया राम, सिया राम

मर्यादा के रचनाकार, अपने करो शुद्ध विचार
जीवन में आये निखार, सदबुद्धि और शाकाहार
धर्म सनातन का पैगाम, सिया राम, सिया राम

मंगल जीवन अहिल्या नार, सबरी पर बरसया प्यार
ऋषि हवन के सूत्रधार, दशानन को दिया मार
विभीषण सौंपा राज तमाम, सिया राम, सिया राम ,

पाँच सौ वर्ष का इन्तजार, अब अयोध्या दई सिंगार
भव्य मंदिर किया तैयार, ये गये विरोधी सारे हार
बना अयोध्या सुन्दर धाम सिया राम, सिया राम,

मात पिता के आज्ञाकार, नक्शे क़दम चले संसार
यही छवि है पुजनहार, महेन्द्र सिंह करें मनुहार
दोनों वक्त सुबह शाम सिया राम, सिया राम

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | 100 साल से एक ही परिवार कर रहा सिलाई, दो साल की अग्रिम बुकिंग, 2037 में आएगा नंबर

माता बाला सुंदरी को वस्त्र पहनाने के लिए वर्षों का इंतजार

बुकिंग
वस्त्र सिलने वाले दर्जी पर करानी पड़ती है बुकिंग

श्रद्धालु
नवरात्रि के दिनों में लगता है श्रद्धालुओं का तांता

दर्शन
नंबरदार सोराज को माता ने सपने में दिए दर्शन

मंदिर | सुभाष शर्मा

मुलाना का माता बाला सुंदरी मंदिर आस्था का प्रतीक है। मंदिर के बारे में विशेष बात है कि यहां माता रानी के वस्त्रों को श्रद्धालु हर साल बारी के हिसाब से चढ़ाते हैं। मंदिर में माता रानी को वस्त्र पहनाने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। हर वर्ष श्रद्धालु माता बाला सुंदरी के लिए वस्त्र पहनाने के लिए अपना नाम अंकित कराते हैं। बारी के अनुसार उन का नंबर आता है। माता को नए वस्त्र पहनाने के लिए 12 साल की अग्रिम बुकिंग चल रही है। 2024 के चैत्र महीने के नवरात्रों में यहां के रहने वाले एक परिवार ने इस सेवा को अदा किया है। एनएच 344 के नजदीक बने माता बाला सुंदरी मंदिर में नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। सैंकड़ों की संख्या में आकर श्रद्धालु माता के दर पर नतमस्तक होकर और मन्नत मांगते हैं।

प्रचलित है दंत कथा

एक दंत कथा प्रचलित है कि एक बार गांव में प्लेग की भयानक बीमारी फ़ैल गई थी। लोग इस बीमारी से भयग्रस्त थे। प्लेग की चपेट में आने से गांव में हर रोज मौते हो रही थी। कहते हैं कि गांव के लोग दाह संस्कार कर के लौटते ही थे कि कोई न कोई व्यक्ति तब तक गांव में मृत अवस्था में मिलता था। पूरे गांव में प्लेग की भयकंर बीमारी ने लोगो में भय पैदा कर रखा था। तभी इसी दौरान गांव के साथ लगती मारकंडा नदी में से एक चूड़ियां बेचने वाला गुजर रहा था तो रास्ते में उसे एक कन्या दिखाई दी। वह कन्या दौड़ कर उस चूड़ी बेचने वाले के समीप आई और उस कन्या ने उस से चूड़ी पहनाने की जिद की। चूड़ी बेचने वाले व्यक्ति ने उसकी दोनों बाजुओं में चूड़ी पहना दी तभी उस कन्या ने तीसरी बाजु भी आगे कर दी। इस घटना से चूड़ी बेचने वाला घबरा गया तथा वहां से आकर उस ने यह बात गांव के लोगों को बताई। लोगों ने उसे समझाया कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। कन्या के रूप में दिए दर्शन मां भगवती का अवतार है। गांव में मां भगवती का आगमन हो चुका है। अब शीघ्र ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि उसी रात मां बाला सुंदरी ने गांव के नंबरदार के स्वप्न में आकर एक स्थान दिखाते हुए कहा कि इस स्थान पर 5 ईटें रख कर उस के भवन का निर्माण करवाया जाए। अगली सुबह ऐसा करते ही गांव से प्लेग की भयंकर बीमारी ख़त्म हो गई।

वर्ष 1426 में हुआ था मंदिर का निर्माण

कुछ वर्ष पहले वर्ष माता बाला सुंदरी मंदिर का रिकॉर्ड राजस्थान के भाटों के यहां से प्राप्त हुआ है। भाटों के अनुसार वह मुलाना में क्षत्रीय समाज के यहां साल में एक बार जाते हैं।भाटों ने मंदिर कमेटी को बताया कि कस्बे को 1422 में बसाया गया था। मां बाला सुंदरी मंदिर का निर्माण सन 1426 में कराया गया था। 1425 में गांव के नंबरदार सोराज सिंह के सपने में माता ने दर्शन देकर मंदिर का निर्माण कराने व साथ ही ताल की खुदाई कराने की बात कही गई थी। ऐसी लिखित बातें भाटो के दस्तावेजों में दर्ज है।

'ताऊ नै पाछै हटा कै' शिखर पर पहुंचे रामकेश जीवनपुरिया

◆ शुरू में पिता ने जताया विरोध आज सबसे बड़े फैन ◆ पत्नी ने दिया भरपूर सहयोग करती हैं मोटिवेट ◆ सामाजिक सरोकार से जुड़े लिखे गीतों ने मचाई धूम

कलाकार | शशि कांत चौहान

कहते हैं कि कलम में बहुत ताकत होती है। आप जो भी लिखते हैं उसका समाज का बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है। फिर वही समाज आपको सिर आंखों पर बिठा लेता है। ऐसा ही कुछ रामकेश जीवनपुरिया के साथ हुआ। उन्होंने हट जा ताऊ पाछै नै ऐसा लिखा कि इस गीत ने उनको शिखर पर पहुंचा दिया।यह उनका पहला गीत था और इसे आवाज विकास कुमार ने दी थी यह इतना बड़ा हिट हुआ कि आज भी हर कार्यक्रम में डीजे पर खूब बजाता है और लोग इसका खूब आनंद उठाते हैं।

बचपन से था शौक

किसान परिवार में 10 अगस्त 1981 को जन्मे रामकेश के पिता श्री राम निवास दसवीं पास हैं और माता श्रीमती इंद्रा देवी गृहिणी हैं। रामकेश की प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई। हाई स्कूल के लिए ने पड़ोस के गांव जाना पड़ा। क्योंकि गीत संगीत में रुचि बचपन से ही थी इसीलिए इन्होंने ग्रेजुएशन संगीत में की। ऐसे हुई शुरुआत रामकेश ने जब एक दिन रणबीर बड़वासनिया को स्टेज पर रागनी करते हुए देखा तो वहीं से उन्हें दिल में अपना गुरु मान लिया और लिखना शुरू किया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई मंच नहीं मिला था इसके बाद रणबीर बड़वासनिया से मुलाकात हुई और इसके बाद उन्होंने विधिवत गुरु धारण किया। इसी दौरान जब उनके दादा गुरु जगन्नाथ समचाना वाले ने उनके गीत देखें तो उन्हें अपने पास बुलाया और तमाम बारीकियां समझाई।

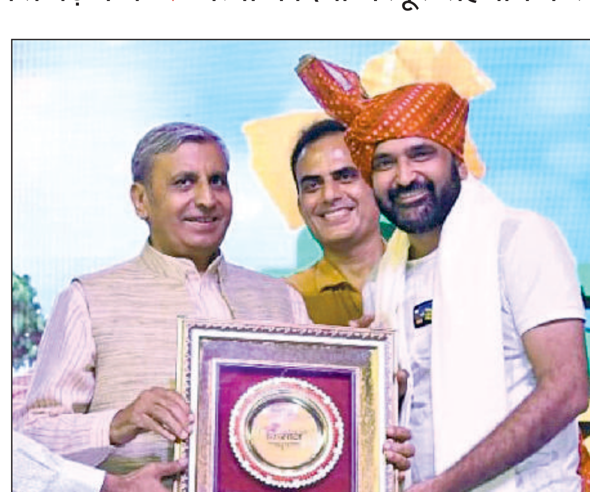

हट जा ताऊ पाछै नै पहला हिट

जब रामकेश का पहला गीत हट जा ताऊ पाछै नै रिलीज हुआ तो रामकेश जीवनपुरिया को नई पहचान मिली और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके साथ ही एक के बाद एक बड़े हिट गीत आए, जिनमें सपने में रात में आई, सारा रोला पतली कमर का जैसे गीत शामिल हैं। इसके बाद सतीश सहगल जो म्यूजिक कंपोजर भी हैं उन्होंने रामकेश से गीत गाना शुरू करवाया। 'पहले आली हवा रही ना पहले बाणा' गायक के तौर पर उनका पहला गीत था।

पीएम ने की तारीफ

रामकेश ने पहले ही गीत के बाद गायन में भी धूम मचा दी यह गीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुना और उनको बुलवाया उन्हें सम्मानित भी किया इसके बाद 'बचपन' 'मैं भारत बोल रहा हूं' 'कितना बदल देश' 'कलयुग' और 'संस्कार' भी सोशल मीडिया पर खूब देखे गए।

सम्मान व पुरस्कार

हरियाणवी जन-मानसको उद्वेलित करने वाले रामकेश जीवनपुरिया को अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं। इसी सम्मान श्रृंखला की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ते हुए हिन्दी साहित्य प्रेरक संस्था जीन्द भी अ मिसरी जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया।

फिल्में लिखी, अभिनय किया

रामकेश जीवनपुरिया ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'छप्पर पाड़ कै' 'किसान बिजनेसमैन' 'प्रेरणा' 'सफर म्हैं हमसफर' और लख्मीचंद हरियाणवी जैसी फिल्में बनाई खास बात यह है कि यह फिल्में उन्होंने खुद ही लिखी और अभिनय भी किया उनके अभिनय को खूब सरहाना भी मिली। रामकेश जीवनपुरिया के गीत और फिल्म लेखन में सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा फोकस रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने जरूर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए गीत लिखे थे लेकिन बाद में उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर फोकस किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति को भी अपने लेखन में खास तवज्जो दी। रामकेश कहते हैं कि आजकल लेखक पब्लिक की पसंद को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलता है तो निश्चित ही लेखन के स्तर में गिरावट आती है।

परिवार का भरपूर सहयोग

परिवार का भरपूर सहयोग रामकेश बताते हैं कि उनके परिवार में गीत संगीत का कोई माहौल नहीं था इसलिए शुरुआत में उनके पिता ने इस क्षेत्र में जाने का उनका विरोध किया था लेकिन जब उन्होंने उनके गीत और फिल्में देखी तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाया और आज वे उनके सबसे बड़े फैन हैं। रामकेश को उनकी पत्नी से भी पूरा सहयोग मिला और उन्होंने हर कदम पर साथ दिया। अगर कभी उन्हें निराशा हुई तो उनको मोटिवेट किया।

खबर संक्षेप

वैश्य महिला कॉलेज में एलुमनाई मीट आयोजित

रोहतक। वैश्य महिला कालेज में संगिनी एलुमिनी एसोसिएशन द्वारा एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान नवीन जैन, कन्वीनर राधे श्याम व गवर्निंग बॉडी के सदस्य सुभाष गुप्ता मौजूद रहे। प्राचार्या डॉ. रश्मि गुप्ता ने वैश्य महिला महाविद्यालय की छात्राएं आज समाज में विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। एल्युमिनाई मीट में कॉलेज की सबसे प्रथम बैच 1978 की छात्रा राजबाला जो महाविद्यालय की सबसे पहली खिलाड़ी थी उपस्थित रही।

विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को दिया व्यावहारिक ज्ञान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में- बियोंड बेसिकः एडवांस्ड ट्रेनिंग इन कमर्शियल एन्जाइम प्यूरीफिकेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हो गई। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष एवं इस कार्यशाला के कंवीनर डॉ. केके शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को अत्याधुनिक प्रयोगशाला के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा एंजाइम प्यूरीफिकेशन के सिद्धांतों और पद्धतियों बारे अभिवृद्धि करना था।

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक में लिया निर्णय

सरकार कर रही मांगों की अनदेखी, एक मई को विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे कर्मी

- परिवहन मंत्री से मुलाकात के बाद भी नहीं मिला सकारात्मक जवाब

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की यूनियन कार्यालय में डिपो प्रधान नरेश सिवाच की अध्यक्षता में मिटिंग हुई। जिसका संचालन राज्य उप प्रधान एवं डिपो सचिव जयकुंवार दहिया ने किया। जिसमें निर्णय लिया गया कि एक मई को रोडवेज के सैकड़ों कर्मचारी मानसरोवर पार्क में होने वाली सभी संगठनों की सांझी सभा में शामिल होंगे एवं सरकार की वादाखिलाफी व मानी गई मांगों को लागू करवाने के लिए अपनी आवाज बुलंद करेंगे। जयकुंवार दहिया, सतबीर मुंढाल, नरेश सिवाच व प्रदीप हुड्डा ने बताया कि सरकार व विभाग के उच्चाधिकारी रोडवेज कर्मचारियों की मांगों के लिए गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा रोडवेज सांझा मोर्चा का राज्यव्यापी प्रतिनिधिमंडल परिवहन मंत्री, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव से कई बार मिल चुका है और उनको मांगों से अवगत कराया जा चुका है इसके बावजूद अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं आया है और न ही मांगों पर अमल किया गया है। परिचालकों व लिपिकों का वेतनमान 35400 किया जाए, अर्जित अवकाश में कटौती का पत्र वापस लेकर पहले की तरह अवकाश लागू किया जाए, पुरानी पेंशन बहाली, जोखिम भत्ता दिया जाए, बेड़े में 10 हजार बसों को शामिल किया जाए, 2016 को भर्ती चालकों सहित कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, वर्कशॉप सहित सभी श्रेणियों में खाली पड़े रिक्त पदों को स्थाई भर्ती करके भरा जाए। उन्होंने हिट एंड रन कानून लागू को रद करने की भी मांग की है। इस मौके पर जयकुंवार दहिया, सतबीर मुंढाल, नरेश सिवाच, प्रदीप हुड्डा, बलजीत सिंह, राजीव कुमार, जयबीर फौजी आदि मौजूद रहे।

रोहतक। मीटिंग करते हुए हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

ये हैं मुख्य मांगें

- ▸▸ नई पेंशन नीति को बंद करके पुरानी पेंशन नीति को लागू किया जाए।
- ▸▸ लम्बे समय से लंबित लिपिकों, टिकिट वरिफायर की प्रमोशन की जाए।
- ▸▸ ट्रांसपोर्ट रूल 1995 में संशोधन करके मुख्यालय व क्षेत्रीय डिपो में कार्यरत लिपिकों की सीनियरिटी एक की जाए
- ▸▸ विभाग के बेड़े में 10000 सरकारी बसों को शामिल किया जाए
- ▸▸ ऑनलाइन तबादला पॉलिसी में संशोधन किया जाए।
- ▸▸ 1992 से 2003 के बीच लगे कर्मचारियों को नियुक्ति तिथि से पक्का किया जाए ।
- ▸▸ हरियाणा रोजगार कौशल निगम को भंग किया जाए।
- ▸▸ सभी कर्मचारियों की वेतन विसंगति को दूर की जाए।
- ▸▸ वर्ष 2016 में सभी प्रकिया पूर्ण उपरांत भर्ती किये गए चालकों को पक्का किया जाए।
- ▸▸ चालकों को अड्डा इंचार्ज का नया पद सृजित करके प्रमोशन की जाए।
- ▸▸ विभाग में जोखिम भरी ड्यूटी करने वाले सभी कर्मचारियों को 5000 रुपए जोखिम भत्ता दिया जाए।
- ▸▸ कर्मशाला व स्टोर के वंचित कर्मचारियों को तकनीकी वेतनमान मिले।
- ▸▸ आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों को प्रमोशन में रोस्टर प्रणाली लागू कर बैकलॉग पूरा किया जाए।
- ▸▸ कर्मशाला में वर्षों से खाली पड़े रिक्त पदों पर भर्ती की जाए
- ▸▸ एक्स ग्रेशिया नीति में लगाई गई शर्तों को हटाया जाए।
- ▸▸ मुख्यालय द्वारा जारी सभी प्रकार के आदेशों को सभी डिपो में एक समान लागू किया जाए ।
- ▸▸ वर्दी, जूते एवं कर्मशाला कर्मचारियों का रात्रि भत्ता सहित अन्य भत्तों में महंगाई अनुसार बढ़ोतरी की जाए।
- ▸▸ वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कर्मचारियों के वेतनमान में अंतर दूर किया जाए।
- ▸▸ विभाग के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को पुलिस कर्मचारियों की भांति एक माह के वेतन के समान बोनस दिया जाए।

गोसेवा करना बेहद पुण्य का कार्य : कार्तिकेय शर्मा

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा को स्मृति चिंह देते हुए प्रवीण कौशिक पूर्व सरपंच पहरावर व पहरावर अखिल भारतीय गौशाला के सदस्य।

- पहरावर गोशाला में मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

पहरावर अखिल भारतीय गौशाला में भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रवीण कौशिक पूर्व सरपंच पहरावर ने की। मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा रहे।

इस मौके पर भंडारा और गौड़ आयुर्वैदिक कॉलेज द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया एवं मुफ्त दवाई वितरित की गई। प्रवीण कौशिक ने बताया कि भगवान परशुराम सर्वजाती के भगवान हैं। नरेश प्रधान गौसेवा का महत्व बताया। कार्तिकेय शर्मा ने 5 मई को करनाल में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि गौसेवा पुण्य का कार्य है, जो आदमी सच्चे मन से गौसेवा करता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच प्रवीन कौशिक, गौशाला कमेटी के प्रधान नरेश शर्मा, प्राचार्य जयपाल शर्मा, हरिओम वासुदेव, सतबीर, सोनू, राजू, रमेश, नवीन जसिया, ललित समचाना, रामवीर, श्रीभगवान, नीरज, बिजेंदर, आजाद, विजेंद्र ब्रह्मचारी, रविंद्र कौशिक, रमेश, सोनू आदि उपस्थित रहे।

भागवत को मन में विराजमान करोगे तो सुखी रहोगे : स्वामी विश्वेश्वरानंद

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री के 8वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरा नन्द महाराज ने बताया कि संसार के सभी मानवों को भागवत को आत्मसात करना चाहिए। भागवत के जो सिद्धांत हैं, उसे मन मस्तिष्क में समाहित करने का प्रयास करना चाहिए। अगर भागवत मन में विराजमान हो जाए तो मानव का जीवन सफल हो जाता है। इसलिए मनुष्य को प्रयत्न करके भागवत को अपने जीवन में अपनाने प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस निवास स्थान पर भागवत निवास करते हैं। उस स्थान पर नदी, सरोवर, सभी तीर्थ, सभी पूरियां, चारों धाम, समस्त देवी देवता निवास करते हैं। इस मौके पर आंखों की जांच का कैंप लगाया गया। जिसमें मुख्य नेत्र अधिकारी डॉ. ओमवीर राठी व उनकी टीम ने 150 मरीजों कीआंखों की जांच और चश्मे वितरित किए।

लोकतंत्र में मतदान को अनिवार्य किया जाएं : शर्मा

रोहतक। भगवान परशुराम आश्रम जनकल्याण समिति सेक्टर दो में कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक का आयोजन हुआ। पवन शर्मा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में मतदान को अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। ऐसा करने से समानुपातिक लोकतंत्र सफल होगा और साथ में सबकी भागीदारी से एक बेहतर जनहितकारी सरकार का गठन हो सकेगा।

ललित कौशिक ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान सारे काम छोड़कर पहले वोट देना है तथा अन्य लोगों को भी लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़चढ़ कर भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना है। ओमकार ने कहा कि हमारा एक वोट देश को अच्छी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह सोच जिस दिन लोगों के अंदर विकसित हो जाएगी उस दिन किसी को वोट देने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

पहरावर में परशुराम मंदिर बनेगा : जयहिंद

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नवीन जयहिंद । *फोटो : हरिभूमि*

- समाज की जमीन दिलाने में संघर्ष करने वालों को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

समाजसेवी नवीन जयहिंद ने जयहिंद सेना कोर की मीटिंग ली। इस मौके पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से सैकड़ों लोग पहुंचे।

जयहिंद ने कहा कि 14 अप्रैल को जयहिंद सेना की पहली बैठक हुई थी जिसमे आगे की रणनीति सहित उन सभी मुद्दों पर चर्चा हुई थी जो जनता के भी मुद्दे हैं। रविवार को ये दूसरी बैठक है जिसमे कोर कमेटी के हर सदस्य ने भाग लिया। जयहिंद ने कहा कि आगामी 19 मई को पहरावर में भगवन परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा और उसके न्योता 36 बिरादरी का भाईचारा घर -घर दे कर आएगा। उन्होंने बताया पहरावर में 121 फीट भगवान परशुराम मंदिर मूर्ति निर्माण की नींव रखी जाएगी। भगवान परशुराम की मूर्ति न्याय, मान-सम्मान और स्वाभिमान की प्रतिक होगी। 121 लोगों की कमेटी इस जन्मोत्सव का आयोजन करवा रही है। जयहिंद ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम पूरी तरह से गैर - राजनीतिक और सामाजिक रहेगा। किसी भी तरह से राजनीतिक बयानबाजी इस कार्यक्रम नहीं होगी।

नेताओं के रास्ते नहीं रोको उन पर सवाल दागो

जयहिंद ने कहा कि आपके पास वोट मांगने आए नेताओं का रास्ता न रोके सवाल करें कि उन्होंने लोगों की समस्याएं दूर करने के लिए क्या क्या कदम उठाए।

न्यूज डायरी

सांगवान स्कूल में नई शिक्षा नीति पर चर्चा

रोहतक। सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में एनइपी 2020 में आए बदलाव के संबंध में ट्रेनिंग सत्र का आयोजन किया गया। सीबीएसई बोर्ड की तरफ से रिसोर्स परसन धीरज बरेजा तथा प्रधानाचार्या डॉ. सविता शर्मा ने सभी अध्यापकों से सत्र 2025 -26 में निर्धारित किए गए अनिवार्य विषयों, शिक्षण में आए बदलाव, नई शिक्षा नीति का उद्देश्य, बच्चों का रुझान शिक्षा की तरफ कैसे करें और किस प्रकार हम नई शिक्षा नीति के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं आदि विषयों पर चर्चा की। सत्र का आयोजन स्कूल कोर्डिनेटर प्रमिला सांगवान, एकेडमिक कोर्डिनेटर ऋतु विज, कोमल, मीनू हुड्डा, वंदना कंबोज, अनुराग दांगी, सपना परमार और मोनिका के सहयोग से किया गया। वहीं दूसरी ओर हरिभूमि राष्ट्रीय हिंदी दैनिक पत्रिका द्वारा आयोजित इंटर स्कूल पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धा में कक्षा 11वीं की छात्रा योशना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा की इस शानदार सफलता पर स्कूल प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने बधाई दी व योशना के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

25 मई को वोट का प्रयोग जरूर करें : खुशीराम

रोहतक। विश्वकर्मा स्कूल काठमंडी में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा हरियाणा की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूरे हरियाणा के नवयुक्त जिला अध्यक्षों का शपथ ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह हुआ। इस शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड़ ने समाज के सभी लोगों से आने वाली 25 मई को अपने मतदान का प्रयोग अवश्य करें। समाज के लोगों से अपील की गई कि सभी मृत्यु भोज का बहिष्कार करें और इसमें होने वाले खर्च को गौशाला में या समाज के विकास में खर्च करें। सरकार के द्वारा विश्वकर्मा समाज के लिए बहुत सी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई है आप सभी उन सभी योजनाओं का फायदा उठाएं और अपने कार्य क्षमता का विकास करें।

अग्र कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर को लेकर की चर्चा

रोहतक। महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट के सदस्य रविवार को अग्रोहा धाम पहुंचे, जहां धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग से रोहतक में निर्माणाधीन अग्र कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। गोपाल शरण ने ट्रस्ट के सदस्यों को अग्र धरोहर भेंट किया, जिसमें समाज का इतिहास वर्णित है। उन्होंने बताया कि रोहतक में बन रहे लक्ष्मी मंदिर का स्वरूप अग्रोहा धाम की तर्ज पर रहेगा, वे जल्द अग्रोहा धाम की मिट्टी लेकर रोहतक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि कुलदेवी लक्ष्मी की आराधना महाराजा अग्रसेन ने की थी, उसके बाद देश में कई जगह लक्ष्मी मंदिर बने हैं। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन के एक ईंट एक रुपया का सिद्धांत जन जन तक पहुंचना है। इस मौके पर धाम के महासचिव मोहित गोयल, विपिन गोयल, रूपेश जैन, संजय जैन, सुशील गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

निकाय मंत्री से मिलेंगे नपा कर्मचारी

- मांगें पूरी नहीं की तो करेंगे आंदोलन : रमेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

रोहतक। नगर पालिका कर्मचारी संघ की कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के कर्मचारी नेता।

नगर पालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारी 23 जून को शहरी स्थानीय निकाय मंत्री से उनके कुरुक्षेत्र आवास पर मुलाकात करेंगे। इस दौरान पालिका परिषद निगमों व अग्निशमन विभाग की कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने की मांग की जाएगी। उनकी मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जाएगा।

संगठन को मजबूत करने के लिए एक मई से लेकर 31 मई तक सभी पालिकाओं परिषदों निगमों व अग्निशमन केन्द्रों पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी लाइब्रेरी में राज्य स्तरीय कन्वेंशन की अध्यक्षता कर रहे संघ के वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तुषामड़ ने दी। मंच का संचालन महासचिव मांगेराम तिगरा ने किया। रमेश तुषामड़ ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले 10 वर्षो से कर्मचारी का शोषण कर रही है।

इस कार्यकाल में एक भी कर्मचारी को नियमित नहीं किया गया। लगातार ठेका प्रथा लागू कर कर्मचारियो को ठेकेदार की गुलामी झेलने को मजबूर कर किया गया। उनकी कई बार सरकार से वार्ता हुई। लेकिन मांगें पूरी नहीं की गई। राज्य स्तरीय कन्वेंशन में विशेष रूप से उपस्थित रहे सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट ने कहा कि सरकार कर्मचारी विरोधी जन विरोधी तथा सामाजिक न्याय विरोधी साबित हो चुकी है। इस दौरान निर्णय लिया गया कि 13 व 14 जून को सभी निगमायुक्त व डीएमसी के माध्यम से निकाय मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। 20 जून को सभी उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमन्त्री के नाम ज्ञापन भेजे जाएंगे।

शिविर में 725 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

रोहतक। रोटरी क्लब ऑफ रोहतक हार्मनी ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ मिलकर संयुक्त रूप से गांव मकडोली कला में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य रोटेरियन अशोक दलाल ने की, जबकि कैम्प का नेतृत्व रोटरी क्लब ऑफ रोहतक हार्मनी के अध्यक्ष हेमंत बक्शी ने किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने शिरकत की। उन्होंने स्वयं अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर शिविर का शुभारंभ किया। रोटरी क्लब ऑफ रोहतक हार्मनी के अध्यक्ष हेमन्त बक्शी ने कहा कि समाज को नर सेवा नारायण सेवा का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि दूसरों की सेवा करने से बड़ा सुख और पुण्य कोई नहीं है। शिविर के दौरान 725 मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही निशुल्क दवाईयां व नजर के चश्मे वितरित किए गए।

हिंदू संस्कृति की रक्षा के लिए करें मतदान

रोहतक। विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान हरियाणा प्रांत मार्गदर्शक मंडल संत समाज की बैठक गोतीर्थ बाबा लक्ष्मण पुरी डेरा में महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें हरियाणा के सभी जिलों से संत महात्माओं ने भाग लिया। बैठक में सभी संतो ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि वर्तमान परिस्थितियों में इस प्रकार की सरकार की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की दृष्टि से देश, धर्म, समाज की रक्षा के लिए कटिबद्ध हो।

उन्होंने अपने शिष्यों से आह्वान किया कि घर-घर गांव-गांव जाकर जन जागृति का कार्य करें, जो हिंदू हितों की सरकार बनाए। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति सनातन व हिंदू संस्कृति की रक्षा के लिए शत प्रतिशत मतदान करें। सभी संतो ने यह भी आह्वान व संकल्प लिया कि प्रत्येक शिष्य 25-25 वोट राष्ट्रहित में डलवाएगा। बैठक में धर्मांतरण व हिंदू समाज पर हो रहे अभद्र टिप्पणियों पर भी खेद प्रकट किया गया व रोकने के उपायों पर चर्चा की गई।

उपभोक्ताओं के पास उत्पाद की गुणवत्ता जांचने का कोई मेकैनिज्म नहीं

जैविक गेहूं का भार रसायनिक से 5 प्रतिशत अधिक होने का दावा

- जैविक किसान-उपभोक्ता संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

जैविक किसान बिक्री समूह हरियाणा द्वारा रोहतक में आयोजित किये गए जैविक किसान-उपभोक्ता संवाद में एक प्रयोग किया गया। जिसमें एक गिलास में रासायनिक खेती की गेहूं भर का गिलास का वजन किया गया।

जब उसी गिलास में उसी किस्म की जैविक गेहूं डाल कर वज़न किया गया तो पाया गया कि जैविक गेहूं का वजन लगभग 5% अधिक है। गेहूं की किस्म एक ही थी और गेहूं का आयतन भी एक ही था, तो सामान्यतः वजन भी समान होना चाहिए। परन्तु जैविक गेहूं भारी थी। स्पष्ट रूप से जैविक गेहूं ठोस थी, ना कि अस्वस्थ व्यक्ति की तरह मात्र फूले हुए शरीर वाली। जैविक में ज्यादा वजन इंगित करता है कि इस में तथाकथित तौर पर 'गौण' तत्व कहे जाने वाले परंतु वास्तव में अति महत्वपूर्ण तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसका ठोस वैज्ञानिक आधार भी है। जब फसल को संतुलित खुराक मिलेगी, तभी तो इंसान की खुराक भी संतुलित होगी। जैविक खेती में फसल को संतुलित खुराक मिलती है। दो घंटे से अधिक चले जैविक किसान-उपभोक्ता संवाद में 40 से अधिक उपभोक्ताओं ने भाग लिया एवं जैविक किसानों से सवाल-जवाब कर के अपनी शंकाओं का समाधान किया।

'जैविक किसान बिक्री समूह के सलाहकार प्रो राजेंद्र चौधरी ने बताया कि हाल ही में सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार अगर औसत शहरी परिवार जैविक अन्न बाज़ार भाव से दोगुने दाम पर भी खरीदता है, तो उस के मासिक ख़र्च में बढ़ोतरी 4% से भी कम होगी। हालांकि समूह के विक्रय मूल्य उच्चकोटि के रासायनिक उत्पाद के मूल्य से दोगुने नहीं हैं।

समूह के पास मात्र 40 क्विंटल गेहूं

जींद जिले के जैविक किसान एवं 'जैविक किसान बिक्री समूह, हरियाणा' के संयोजक मंजीत सिंह ने बताया कि कोई भी उपभोक्ता स्वयं परीक्षण कर के उपरोक्त की पुष्टि कर सकता है. परीक्षण करते हुए यह सावधानी बरतनी चाहिए कि टूटे हुए दानों को निकाल दें, दोनों तरह के गेहूं साफ़ किया हुआ और सूखा हुआ हो। जैविक किसान बिक्री समूह हरियाणा के मैनेजर एवं जैविक किसान तेज सिंह ने बताया कि धीरे-धीरे उपभोक्ताओं में जागरूकता आ रही है। एवं जैविक उत्पाद के ग्राहक बढ़ रहे हैं। प्रदेश के जैविक किसानों के बिक्री समूह की अब तक लगभग 90 क्विंटल गेहूं बुक हो चुकी है। सीधे किसान द्वारा की गई बिक्री इस के अलावा है। समूह के पास मात्र 40 क्विंटल गेहूं ही बची है।

सहकारी बिक्री व्यवस्था बेहतर उपाय

दोगुने दाम पर अन्न खरीदने पर भी मासिक खर्च में हुई बढ़ोतरी शहरी परिवार के रसायनिक पदार्थों पर होने वाले मासिक खर्च से भी कम होगी। यानी महंगे जैविक अनाज खरीदने के चलते ख़र्च में हुई बढ़ोतरी की भरपाई सिगरेट इत्यादि पर ख़र्च कम कर के आसानी से हो सकती है। उपभोक्ताओं की दूसरी चिंता विश्वास की थी, कैसे मान लें कि उत्पाद जैविक ही है? सहकारी बिक्री व्यवस्था इस का उपाय है। सहकारी बिक्री समूह के अपने हित में है कि गलत समान की बिक्री न हो क्योंकि गलत सामान से बिक्री का फायदा तो एक किसान को होगा, परन्तु पकड़े जाने पर नुकसान पूरे समूह को होगा। इसलिए समूह की 13 सदस्यों कि प्रबंधन समिति ने शुरू से ही जैविकता की स्टीक पुष्टि की व्यवस्था की है।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- COMPUTER OPERATOR (F) 4
- COMPUTER OPERATOR (M) 4
- PHARMACY STAFF 3
- CHEMIST SHOP STAFF 2
- WARD BOY 2
- GATE KEEPER 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

2,18,935.62 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला में गत शनिवार तक 218935.62 मीट्रिक टन गेहूं की है। इसमें से कलानौर साइलो में 10627.57 मीट्रिक टन, किलोई में 18435.20 , लाखनमाजरा में 19346 , मदीना में 9598.70 , महम मंडी में 40641.80 , रोहतक मंडी में 72754.10 , सांघी में 15289.25 तथा सांपला मंडी में 32243 खरीदा गया है।

सीसर खास के राजपाल ने लगाई 1000 पुशअप

महम। रविवार को सीसर खास गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक ऑपन चेलेंज कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें इसी गांव के राजपाल ने एक हाथ से 1000 पुशअप लगाई हैं। राजपाल ने पुशअप का यह ऑपन चलेंज कार्यक्रम वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आयोजित किया था। इस कार्यक्रम को कई यू ट्यूबर ने कवर किया है। अब देखने वाली बात यह होगी क्या यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बन पाएगा या नहीं।

लाखनमाजरा से अवैध देसी शराब बरामद

महम। लाखनमाजरा पुलिस ने 10 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। पुलिस का कहना है कि मुखबिर द्वारा दी सूचना के आधार पर उन्होंने लाखन माजरा के खरकड़ी पान्ना की गली में एक परचून की दुकान पर रेड की। वहां पर एक गत्ता पेटी रखी हुई थी और एक व्यक्ति शराब बेच रहा था। पूछताछ में उसने अपना नाम सतीश पुत्र किताब सिंह वासी लाखन माजरा बताया। पेटी में 10 बोतल जगाधरी देसी शराब मिली।

युवक से अवैध पिस्तौल बरामद, मामला दर्ज

महम। महम पुलिस ने युवक से अवैध पिस्तौल बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि जिला जींद के ब्राह्मणवास गांव का राहुल नाजायज पिस्तोल लेकर फरमाणा की ओर आएगा। राहुल ने काली टी शर्ट व काले रंग की पायजामी पहनी हुई है। पुलिसकर्मियों ने तलाश ली तो उसकी पायजामी की जेब में अवैध पिस्तौल मिला। पुलिस ने उससे लाइसेंस मांगा, तो वह पिस्तौल का लाइसेंस नहीं दिखा सका। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर कर लिया है।

पुलिस अलर्ट, चुनाव में नहीं चलेगा नशा, 127 बोतल शराब की बरामद

दस युवक गिरफ्तार,जांच अभियान में रोहतक के हर थाना की पुलिस शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चुनाव को लेकर जिला पुलिस अलर्ट मोड़ पर आ गई है। चुनाव में नशे पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए अभियान शुरू किया गया है। एसपी हिमांशु गर्ग ने आदेश दिए कि किसी भी थाना क्षेत्र में नशा नहीं बिकना चाहिए, तस्करों पर सख्ती होनी चाहिए। इसे बाद हरकत में आई पुलिस ने एक ही दिन में कार्यवाही करते हुए दस युवकों का गिरफ्तार किया। इनके पास से 127 बोतल बरामद हुई है।

अभियान में रोहतक के हर थाना की पुलिस शामिल रही। इसके बाद भी चुनाव तक पुलिस एक्शन लेगी। थाना आर्य नगर निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि हेड कांस्टेबल संदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। चाउमिन चौक के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान मोहित के रूप मे हुई। तलाशी लेने पर युवक के पास से 11 बोतल शराब बरामद हुई। थाना पुरानी सब्जी मंडी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस चौकी किला रोड के एएसआई प्रदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कसाईवाला चौक के पास पैदल आ रहे युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान अमित के रूप मे हुई। तलाशी लेने पर युवक के पास से 11 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस चौकी सल्लारा मौहल्ला में तैनात हेड कांस्टेबल संदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शाका को काबू किया गया। उसकी तलाशी लेने पर 13 बोतल शराब बरामद हुई।

खाली प्लाट में मिली बोतलें

थाना लाखनमाजरा निरीक्षक समरजीत कुमार ने बताया कि हेड कांस्टेबल रामेहर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लाखनमाजरा में दुकान के आगे से सतीश को 10 बोतल सहित काबू किया। थाना कलानौर निरीक्षक देशराज सिंह ने बताया कि हेड कांस्टेबल अजय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कलानौर में खाली पड़े प्लाट से सचिन निवासी कलानौर को 12 बोतल शराब सहित काबू किया।

पुलिस चौकी काहनौर में तैनात मनीष ने सुरज को 10 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया। थाना पीजीआईएमएस की टीम ने अर्पित पुत्र को 11 बोतल अवैध शराब सहित, थाना बहुअकबरपुर की टीम ने जगदीश को 11 बोतल, शिवाजी कॉलोनी की टीम ने विकास को 26 बोतल व थाना अर्बन की टीम ने अमित को 12 बोतल सहित गिफफ्तार किया है। शराब बरामद करने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी पुलिस कई बार बड़े स्तर पर अभियान छेड़कर नशा तस्करों पर कार्रवाई की है। शहर की कई कॉलोनियों से शराब बरामद हो चुकी है। चरस, गांजा बेचने वाले भी पुलिस के निशाने पर आ गए हैं।

अवैध हथियार सहित दो युवक गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सीआईए-2 स्टाफ के इंचार्ज आजाद सिंह ने बताया कि एएसआई संत कुमार के नेतृत्व में सीआईए स्टाफ की टीम शुगर मिल भाली आनंदपुर चक्कर के पास गश्त में मौजूद थी।

गांव डोभ के पास पैदल आ रहे युवक को शक के आधार पर युवक को काबू किया गया। युवक की पहचान राहुल निवासी डोभ के रूप में हुई है। उसके पास से एक देसी हथियार बरामद हुआ है। थाना महम निरीक्षक सत्यपाल ने बताया कि एसआई सुरेश के नेतृत्व में पुलिस गांव फरमाना मे ब्राह्मणवास की तरफ जाने वाले मोड़ के पास गश्त में मौजूद थी। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांव फरमाना की तरफ से पैदल आ रहे युवक को शक के आधार पर युवक को काबू किया गया। युवक की पहचान राहुल निवासी ब्रह्ममणवास के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर युवक के पास से एक देसी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुए है।

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यातथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल को सम्मानित करते हुए माता धनपति देवी ट्रस्ट के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मतदान जागरूकता एवं बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन

■ सभी बच्चों को सुबह उठकर लेना चाहिए माता-पिता का आशीर्वाद : पूर्व मेयर मनमोहन गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता धनपति देवी ट्रस्ट द्वारा मतदाता जागरुकता एवं बाल संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने कहा कि बाल संस्कार कार्यक्रम में बच्चों को संस्कार के साथ-साथ लोकतंत्र के पर्व के बारे में जागरुक करना सराहनीय कदम है। देश को मजबूत बनाने में बच्चों का अहम योगदान रहा है।

सभी बच्चों को सुबह उठकर अपने माता-पिता से आर्शीवाद लेना चाहिए। कृष्ण मित्तल ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई में आधुनिक शिक्षा के बारे में ध्यान देने की जरूरत है। ट्रस्ट के चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता ने कहा कि मतदान हम सबकी जिम्मेवारी है। थानेश्वर दास ने कहा कि ऐसी संस्थाएं राष्ट्र निर्माण का कार्य करती हैं और बच्चों को संस्कारवान भी बनाती हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नरेश जैन, गोविंद राम सिंघल, हरिप्रकाश गुप्ता, अजेश गुप्ता, पवन गोयल, संजय चावला, दिनेश गर्ग, ओमप्रकाश विरमानी, वेद प्रकाश सहानी, कृष्ण मित्तल, राम अवतार शास्त्री, जेपी गौड, विकास जैन, कविता जांगड़ा, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, विकास जैन आदि मौजूद रहे।

गोशाला में 40 क्विंटल तूड़ा दान किया

रोहतक। समाजसेवी जगजीत सिंह नांदल ने हर साल की तरह इस बार भी बाबा मस्तनाथ पीड़ित बीमार लावारिस गोशाला में 40 क्विंटल तूड़ा दान किया। जगजीत सिंह ने बताया कि दान करने से मन को शांति मिलती है। इस अवसर पर अशोक नैन, हेमचंद राणा, रवि पोपली, अजमेर, बलजीत और गोशाला के कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव शिमली के खेतों में लगी आग

रिश्तेदार को हिरासत से छोड़ने का बहाना बनाकर 40 हजार ठगे

महम। मोखरा रोज गांव में एक परिवार के साथ 40 हजार रुपए की ऑन लाइन ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बहु अकबरपुर थाने में दी शिकायत में मोखरा रोज गांव निवासी धर्मबीर पुत्र रामस्वरूप ने बताया कि उक्त मोबाइल नंबर से उसके पास फोन आया और कहा कि उसकी पत्नी के भतीजे पर केस हो गया है। वह पुलिसकर्मी बोल रहा है। तुम मेरे अकाउंट में 20 हजार रुपए डाल दो। यदि पैसे डाल दोगे तो मैं रिश्तेदार को छोड़ दूंगा। शिकायतकर्ता धर्मबीर ने बताया कि उसकी उम्र 75 साल है। वह कुछ समझ नहीं पाया। उसने पीएनबी बैंक मोखरा शाखा में जाकर 20 हजार रुपए उस बैंक खाते में डाल दिए, जो खाता उसने उसे दिया था। उसके बाद एक घंटे बाद फिर फोन आया कि इतने पैसे में बात नहीं बनेगी, 20 हजार रुपए और डाल दो।

धर्मबीर ने बताया कि उसके खाते में पैसे नहीं थे। उसका बेटा रविंद्र नांगलोई (दिल्ली) में रहता है। उसने अपने बेटे रविंद्र को फोन किया और कहा कि रिश्तेदार केस में फंसा हुआ है, उसको छोड़ने की एवज में पुलिसवाले 20 हजार रुपए और मांग रहे हैं, जबकि 20 हजार वह पहले दे चुका है। उसके बेटे रविंद्र ने भी 20 हजार रुपए पेटीएम कर दिए। बाद में पता चला कि उनका कोई रिश्तेदार नहीं पकड़ा गया था। उनके साथ किसी ने 40 हजार रुपए की धोखाधड़ी कर दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

गांधी कैंप से दो दिन की बच्ची बरामद, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांधी कैंप स्थित मातुराम कम्युनिटी सेंटर के पास एक नवजात बच्ची बरामद हुई। जिसकी उम्र करीब दो दिन हो सकती है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस गहनता से जांच कर रही है। नवजात बच्ची को रोहतक पीजीआई में दाखिल करवाया गया। फिलहाल बच्ची की हालत ठीक बताई जा रही है।

शिकायतकर्ता राकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उसकी दिल्ली रोड पर दुकान है। दोपहर दो बजे उनका स्टाफ अपने निवास पर जा रहा था तो एक कर्मचारी का फोन आया कि महिला आश्रम कैंप के पास मौजूद ऑटो में एक नवजात शिशु है। जो काले रंग की थैली में लिपटी हुई थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को पीजीआई भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। पीजीआईएमएस थाना के एसएचओ अशोक कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांधी कैंप में मातुराम कम्युनिटी सेंटर के पास एक नवजात बच्ची पड़ी हुई है। जिसे किसी महिला ने जन्म देकर यहां फेंक दिया। महिला की तलाश की जा रही है।

उन्होंने बताया अस्पतालों का रिकार्ड भी खंगाला जाएगा ताकि यह पता लग सके कि हाल के दिनों में किस महिला ने बच्ची को जन्म दिया है। आरोपी महिला तक पहुंचने के लिए पुलिस कैमरे भी खंगालेगी।

फेयरवेल पार्टी में उज्जवल भविष्य की कामना की

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स विभाग में जूनियर्स ने सीनियर्स को फेयरवेल पार्टी दी। जेनेटिक्स विभाग की अध्यक्षा प्रो. मीनाक्षी वशिष्ठ ने कार्यक्रम में सीनियर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बेहतर करियर बनाने के लिए मोटिवेट किया। फेयरवेल पार्टी में साहिल को मिस्टर फेयरवेल तथा संजू को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। हिमांशु मिस्टर पर्सनालिटी, महिला मिस कोंगेनाल्टी तथा पिंकी को मिस फैशनिस्टा बने। प्राध्यापक डॉ. एसके तिवारी, डॉ. रीतू यादव, डॉ. नीलम सहरावत व डॉ. मुकेश तंवर ने भी सीनियर विद्यार्थियों को बेहतर कॅरियर निर्माण की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने क्विज गेम्स तथा सांस्कृतिक गतिविधियों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

355वां रैंक हासिल करने वाली डॉ. प्रगति वर्मा का स्वागत

■ चौबीसी सर्वखाप पंचायत, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक और शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

यूपीएससी परीक्षा में 355वां रैंक हासिल करने वाली महम की बेटी डॉ. प्रगति वर्मा का महम पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

रविवार को शहर की स्वर्णकार धर्मशाला में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में चौबीसी सर्वखाप पंचायत, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक और शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने डॉक्टर प्रगति वर्मा का फूल मालाएं और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। किसी ने प्रगति को पगड़ी पहनाई तो किसी ने चादर ओढ़ाकर स्वागत किया। महम नगर पालिका वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने कहा कि प्रगति द्वारा यूपीएससी की परीक्षा पास करना पूरे महम चौबीसी इलाके लिए गर्व की बात है। भाजपा नेत्री राधा अहलावत और स्वर्णकार संघ ने भी देश की सर्वोच्च परीक्षा पास करने पर उनको बधाई दी। इस मौके पर डॉ. महेश वर्मा, हन्नी मनचंदा, चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रधान सुभाष नंबरदार, मास्टर रामफल राठी, संदीप नहरा, महाबीर सिंह व खाप प्रवक्ता कृष्ण कुमार सिवाच समेत शहर व आस पास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

कस्बा महम निवासी रिटायर्ड अध्यापक नरेश शर्मा की बेटी प्रगति ने यूपीएससी की परीक्षा में जनरल कटैगरी में 355वां रैंक हासिल कर एक मिशाल पेश की है। क्योंकि शादी होने के बाद प्रगति पहले एचसीएस बनी और उसके बाद यूपीएससी की परीक्षा पास की। सुनने भले ही यह नॉर्मल लगे, लेकिन शादी और उसके बाद बच्चा पैदा होने के बाद उसके पालन पोषण के दौरान यह परीक्षा पास करना इतना आसान नहीं है। 30 वर्षीय प्रगति ने रोहतक पीजीआई से एमबीबीएस और चंडीगढ़ पीजीआई से रेडियोलोजी में एमडी की हुई है। एचपीएससी में एक रैंक हासिल किया था। यूपीएससी में प्रगति का यह दूसरा अटैम्पट था। पहली बार उनका 740वां रैंक था। कोरोना काल में इन्होंने बेटे को जन्म दिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टर की नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। करनाल के एक प्राइवेट अस्पताल में अच्छे पैकेज पर रेडियोलोजिस्ट के तौर पर नौकरी की। कोराना काल में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की। जिसका नतीजा यह रहा कि इस दौरान उनका एचसीएस में चयन हो गया। साल 2023 में यूपीएससी की परीक्षा दी।

सम्मेलन में क्रैच वर्कर्स एंड हेल्पर ने की नियमित नौकरी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

क्रैच वर्कर्स एंड हेल्पर को नियमित करने, न्यूनतम वेतन 26000 देने, खाली पड़े पदों को तुरंत भरने की मांगों को लेकर क्रैच वर्कर्स एंड हेल्पर यूनियन का राज्य सम्मेलन कर्मचारी भवन में संपन्न हुआ। सम्मेलन में सुशीला जींद को राज्य अध्यक्ष, पूजा राठी को महासचिव, नूतन को कोषाध्यक्ष चुना गया। क्रैच वर्कर्स एंड हेल्पर यूनियन का राज्य सम्मेलन यूनियन के पूर्व प्रधान कृष्णा दहिया की अध्यक्षता में शुरू हुआ। सम्मेलन में 16 जिलों से लगभग 100 क्रैच वर्कर्स और हेल्पर उपस्थित हुई। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू के राज्य महासचिव जय भगवान ने किया। उन्होंने कहा कि क्रैच वर्कर्स एंड हेल्पर ने लंबी एवं शानदार लड़ाई लड़ी है।

अपने संघर्षों के दम पर ही हम अपने बंद पड़े क्रैच सेंटरों को वापस चालू करवाने एवं वेतन वृद्धि करवाने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने कहा की राज्य में 2022 से क्रैच पॉलिसी बनी है व उसके बाद जुलाई 2023 में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया। लेकिन अभी भी क्रैच केंद्रों में सुविधाओ का भारी अभाव है। केंद्रों पर हेल्पर्स के पद खाली पड़े हैं। अभी तक 500 क्रैच खुलने की घोषणा थी जिसे लागू नहीं किया जा रहा। यूनियन महासचिव पूजा राठी ने कहा कि बच्चों के राशन बनाने के लिए केंद्रों में बर्तन तक नहीं हैं। बकाया एरियर का भुगतान नहीं किया जा रहा। सम्मेलन में भाजपा हारने की अपील करते हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान किया गया।

इनको मिली जिम्मेदारी : सम्मेलन ने 21 सदस्यीय कमेटी में सीमा रानी और सतिंदर कोर को उपाध्यक्ष, मुकेश रानी और अनीता को सचिव तथा पपई, सीमा, सुमन लता, राजरानी, पिंकी, सुनीता, सुमन, सुषमा, शकुंतला, कांता, तनु, जगवंती, निशा, सत्या, मंजू, मीनू, सोनिया आदि को कमेटी में चुना गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पीजीआईएमएस में तृतीय वार्षिक राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

नेत्र रोगों के प्रति लोगों को करें जागरूक: डॉ. एचके अग्रवाल

■ नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करने के लिए कम्युनिटी मेडिसन विभाग को साथ जोड़ना चाहिए : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हेल्थ विवि के क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान में हरियाणा ऑफथैलमोलोजिकल सोसायटी के सौजन्य से रविवार को लैक्चर थिएटर वन में एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी ऑफथैलमोलोजिस्ट ऑफ इंडिया हरियाणा चैप्टर व रोहतक ऑफथैलमोलोजिकल सोसायटी की तृतीय वार्षिक राष्ट्रीय कांफ्रेंस हुई।

कांफ्रेंस का शुभारंभ कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना ने किया। मंच का संचालन कांफ्रेंस की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री उर्मिल चावला ने किया। कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना ने कहा कि आज यहां युवा चिकित्सकों ने पूरे देश से आए विख्यात नेत्र विशेषज्ञों से बहुत कुछ सीखा होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को अधिक से अधिक नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करने के लिए कम्युनिटी मेडिसन विभाग को भी साथ जोड़ना चाहिए। डॉ. उर्मिल चावला ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी ऑफथैलमोलोजिस्ट ऑफ इंडिया हरियाणा चैप्टर के अध्यक्ष पद पर डॉ. आरएस चौहान का चयन किया गया। साथ ही रोहतक आप्थाल्मालॉजी की समिति के अध्यक्ष पद पर डॉ. मनीष राठी का चयन किया गया।

समय से करवाएं इलाज

कुलसचिव डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि हमें प्रयास करना चाहिए कि लोगों को नेत्र रोगों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करें ताकि समय रहते वें अपनी आंखों को इलाज करवा उन्हें बचा सकें। निदेशक डॉ. एसएस लोहचब ने कहा मधुमेह ज्यादा बढ़ रही है, जिससे हमारी किडनी और आंखों पर प्रभाव पड़ रहा है। संस्थान में डॉ. मनीषा नाडा व डॉ. जितेन्द्र फौगाट संस्थान में रेटिना ऑफथैलमोलोजी क्लीनिक चलाते हैं, जहां मरीज अपना इलाज करवा सकते हैं।

नवीनतम तकनीकों से अपडेट किया

आरआईओ विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस चैहान ने कहा कि बहुत कम समय में यह कांफ्रेंस आयोजित करवाई गई है, ताकि प्रदेश के नेत्र रोग चिकित्सकों को नवीनतम तकनीकों से अपडेट रखा जा सके। डॉ. एके खुराना ने कहा कि आज डॉ. स्वप्न सांमता की मेहनत से एसीआईओएन एसोसिएशन देश ही नहीं विदेशों में भी विकास कर रही है। डॉ. स्वप्न सांमता ने कहा कि हमें सप्ताह में दो दिन ब्रूश करते हुए अपनी एक-एक आंख पर हाथ रखकर अपनी आंखों की जांच खुद करते रहना चाहिए।

पेपर प्रस्तुत किए: रोहतक ऑफथैलमोलोजिकल सोसायटी की आर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. मनीषा नाडा ने कहा कि वर्ष 2020 में डॉ. खुराना ने आरओएस का गठन किया था, जिसमें बेहतरीन कार्य हुए। डॉ. निभा पासी ने बताया कि कांफ्रेंस के दौरान पीजी छात्रों द्वारा पोस्टर व पेपर प्रस्तुत किए गए। डॉ. एके खुराना को लाइफ टाइम अचिवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। वहीं कई चिकित्सकों को ओरेशन अवार्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ. निभा पाशी, डॉ. सुमित सचदेवा, डॉ. अशोक राठी आदि मौजूद रहे।